



पाठ-बोध

1. प्रश्नों के उत्तर दें—

● मौखिक (Oral)

- कवि नभ में जिसे सदा फहराता देखना चाहते हैं वह हमारा तिरंगा झंडा है।
- बुरी कमाई न करने को कहा गया है।
- हमें काम से आँख नहीं चुरानी चाहिए।
- कवि ने शत्रु के लिए बबूल बनने को कहा है।

● लिखित (Written)

- भारत माता का भविष्य हँसते-खेलते नन्हे बच्चों को कहा गया है।
- कवि ने भारतवासियों की माता भारत की सतरंगी अर्थात् हरी-भरी धरती को कहा है।
- हमें कभी बुरी कमाई नहीं करनी चाहिए। किसी काम से जी नहीं चुराना चाहिए। दूसरों के मार्ग में कठिनाइयाँ या रुकावटें उत्पन्न नहीं करनी चाहिए।
- कविता हमें सदैव परिश्रम करने, मिल-जुलकर रहने, सबसे मधुर व्यवहार करने और प्राणों का बलिदान देकर भी भारत-माता की रक्षा करने का संदेश देती है।

2. कविता याद करें और जो पंक्तियाँ आपको सबसे अच्छी लगी हैं, उन्हें लिखें—

शिक्षार्थी अपनी पसंद की पंक्तियाँ स्वयं लिखें।

3. कविता से छाँटकर वे पंक्तियाँ लिखें, जिनका अर्थ है—

सदा मेहनत.....मत करना।

- कभी पराई आस न करना,
मेहनत से अपना घर भरना।

सदा मिल-जुलकर.....काँटे बोना।

- हिल-मिलकर रहना जीवन में
पथ में कभी न बोना शूल!

व्याकरण-बोध

1. समान तुकवाले शब्द चुनकर लिखें— (Write the rhyming words)

भविष्य —शिष्य.....

करना —भरना.....

तिरंगा —गंगा.....

झूल —भूल.....

आम —काम.....

भाई —कमाई.....

2. पर्यायवाची शब्द चुनकर लिखें— (Write the synonyms)

फूल —पुष्प..... सुमन.....

नभ —आकाश..... आसमान.....

पृथ्वी —धरा..... भूमि.....

पथ —राह..... रास्ता.....

माता —अंबा..... जननी.....

झंडा —पताका..... ध्वज.....

3. वर्ण-विच्छेद करें— (split and write)

जीवन —ज्.....+.....ई.....+.....व्.....+.....अ.....+.....न्.....+.....अ.....

माता —म्.....+.....आ.....+.....त्.....+.....आ.....

धूल —ध्.....+.....ऊ.....+.....ल्.....+.....अ.....

देश —द्.....+.....ए.....+.....श्.....+.....अ.....

4. जातिवाचक संज्ञा शब्दों को रेखांकित करें और लिखें— (underline the common nouns)

i) जीवन की डाली पर झूल!..... डाली.....

ii) तुम देखोगे सोना उगलेगी सोना.....

iii) हँसकर फूल खिलाते, गाते फूल.....

iv) आँख चुराना नहीं काम से, आँख.....

Note :

1. Take down all these answers in your notebook.
2. Byheart first 11 lines of the poem "खिलाते और खेलते फूल"